फीफा विश्व कप सेमीफाइनल-1

हैरी और मेसी की भिड़ंत

अटलांटा, 13 जुलाई बुधवार को, इंग्लैंड और अर्जेंटीना फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफ़ाइनल में आमने-सामने होंगे, जो फुटबॉल के दिग्गजों के बीच एक असली मुकाबला होगा. बुधवार का मुकाबला लियोनेल मेसी के करियर के इतिहास में पहली बार होगा जब वे इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे और हैरी केन के खिलाफ यह उनका केवल तीसरा मैच होगा.

फाइनल में जगह बनाने के लिए, ये देश अपने स्टार खिलाड़ियों पर निर्भर रहेंगे कि वे टूर्नामेंट के दौरान की तरह ही अच्छा प्रदर्शन करें. इन दोनों टीमों के मामले में, वे खिलाड़ी लियोनेल मेसी और हैरी केन हैं - दो ऐसे अटैकर जिनमें गोल करने की खास काबिलियत है.

केन अपने करियर के सबसे बेहतरीन दौर में हैं और बायर्न म्यूनिख के साथ अपने अब तक के सबसे अच्छे सीज़न के बाद नॉर्थ अमेरिका पहुंचे हैं. मेसी ने पिछले एक दशक में अपने बेहतरीन फॉर्म को बनाए रखा है और उनमें अभी भी क्लब और देश के लिए मैच का नतीजा बदलने की काबिलियत है.

सालों में उनके करियर बहुत अलग रहे हैं; अर्जेंटीना के खिलाड़ी मेसी 'ला मासिया' से निकलकर सुर्खियों में आए, जल्द ही दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की चर्चा में शामिल हो गए और अब उन्हें निर्विवाद रूप से सर्वकालिक महान फुटबॉलरों में से एक - या शायद सबसे महान - माना जाता है.

उनके इंग्लिश समकक्ष (केन) की इस खेल में शुरुआत बिल्कुल अलग थी. टोटेनहम हॉटस्पर की अकादमी से निकले केन ने फर्स्ट टीम में जगह बनाने से पहले चार अलग-अलग लोन स्पेल (दूसरे क्लबों के लिए खेलने के दौर) में संघर्ष किया और प्रीमियर लीग के बेहतरीन खिलाड़ियों की चर्चा में अपनी जगह बनाई. अब बायर्न में, केन ने अपने खेल को एक नए स्तर पर पहुँचाया है - जिसमें अब अपनी टीम को ट्रॉफियां जिताने की काबिलियत भी शामिल है.

लेकिन, इन दोनों के बीच मुकाबले में, समय ही बताएगा कि इन महान करियर का अगला अध्याय क्या होगा. खासकर इस टूर्नामेंट की बात करें तो, दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने देशों के लिए गोल करने की अपनी काबिलियत का शानदार प्रदर्शन किया है. मेसी अभी केन से दो गोल आगे हैं और दोनों ही 'गोल्डन बूट' की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं. इंग्लैंड और अर्जेंटीना बुधवार को होने वाले सेमीफाइनल में वर्ल्ड कप की अपनी सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को फिर से शुरू करेंगे। यह मुकाबला उनके पिछले आमने-सामने के मैच के दो दशक से भी अधिक समय बाद हो रहा है.

ये टीमें टूर्नामेंट में पांच बार आमने-सामने आ चुकी हैं, जिसमें इंग्लैंड ने तीन और अर्जेंटीना ने दो बार जीत हासिल की है (जिसमें पेनल्टी से मिली एक जीत भी शामिल है). फिर भी, यह प्रतिद्वंद्विता कभी भी केवल आंकड़ों से परिभाषित नहीं हुई है. हालांकि वे पहली बार 1962 के वर्ल्ड कप में मिले थे, जब इंग्लैंड ने ग्रुप स्टेज में 3-1 से जीत हासिल की थी, लेकिन टीमों के बीच प्रतिद्वंद्विता की नींव 1966 के क्वार्टर फाइनल में वेम्बली में पड़ी थी. इंग्लैंड ने 1-0 से जीत हासिल की थी; यह मैच जेफ हर्स्ट के देर से किए गए विजयी गोल के बजाय अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन को बाहर किए जाने के लिए अधिक याद किया जाता है.

रैटिन को वेस्ट जर्मन रेफरी रुडोल्फ क्रेटलिन ने 35 मिनट के बाद विरोध करने के कारण बाहर भेज दिया था और वह कई मिनटों तक मैदान से बाहर जाने को तैयार नहीं थे. अर्जेंटीना में कई लोगों का मानना था कि उन्हें बाहर करना मेजबान टीम के प्रति पक्षपातपूर्ण व्यवहार था, जबकि इंग्लैंड ने अर्जेंटीना पर लगातार गलत खेल (फाउल प्ले) खेलने का आरोप लगाया था.

मैच खत्म होने के बाद भी यह कड़वाहट जारी रही, जब इंग्लैंड के मैनेजर अल्फ रैमसे ने जॉर्ज कोहेन को अल्बर्टो गोंजालेज के साथ शर्ट बदलने से रोक दिया. इंग्लैंड ने ट्रॉफी तो जीत ली, लेकिन उस मैच की कड़वाहट दशकों तक बनी रही. यह प्रतिद्वंद्विता 20 साल बाद मैक्सिको सिटी के एज़्टेका स्टेडियम में अपने चरम पर पहुंची.

वर्ल्ड कप की पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू करेंगे इंग्लैंड और अर्जेंटीना

सिर्फ चार मिनट के अंतराल में हुए ये दो गोल माराडोना की प्रतिभा के दो अलग-अलग पहलुओं को दर्शाते हैं. एक गोल कुख्यात रूप से 'हैंड ऑफ़ गॉड' के नाम से जाना गया और दूसरे को वर्ल्ड कप के इतिहास के सबसे बेहतरीन गोलों में से एक माना जाता है. गैरी लिनेकर ने एक गोल वापस किया, लेकिन

अर्जेंटीना की 2-1 से क्वार्टर फाइनल जीत में डिएगो माराडोना ने दोनों गोल किए; पहला गोल उन्होंने अपने हाथ से किया और दूसरा गोल इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों को ड्रिबल करके और गोलकीपर पीटर शिल्टन को छकाकर किया.

अर्जेंटीना ने बढ़त बनाए रखी और अंततः खिताब जीता. 12 साल बाद फ्रांस में नॉकआउट दौर में हुई एक और भिड़ंत ने नए विवाद और ड्रामे को जन्म दिया. माइकल ओवेन ने एक शानदार सोलो गोल किया, लेकिन डेविड बेकहम को दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डिएगो सिमोन को लात मारने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया. इंग्लैंड ने वापसी करते हुए मैच को एक्स्ट्रा टाइम तक खींचा, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना 4-3 से जीत गया. इंग्लैंड में बेकहम की कड़ी आलोचना हुई.

जबकि सिमोन ने बाद में माना कि उन्होंने उस घटना के असर को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया था.

2002 में ग्रुप स्टेज के दौरान वर्ल्ड कप में उनकी अगली भिड़ंत ने बेकहम को खुद को साबित करने का मौका दिया. मौरिसियो पोचेटिनो द्वारा ओवेन को फाउल करने के बाद मिली पेनल्टी को बेकहम ने गोल में बदला, जिससे इंग्लैंड को सापोरो में 1-0 से जीत मिली.

यह उनका अब तक का आखिरी कॉम्पिटिटिव मैच रहा है. इंग्लैंड और अर्जेंटीना का आमना-सामना आखिरी बार 2005 में जिनेवा में एक फ्रेंडली मैच में हुआ था, हालांकि इन टीमों के बीच होने वाले मैचों के लिए 'फ्रेंडली' शब्द शायद ही कभी सही लगा हो. ओवेन के दो देर से किए गए गोल की बदौलत इंग्लैंड 3-2 से जीता.

18 साल के लियोनेल मेसी सस्पेंशन के कारण वह मैच नहीं खेल पाए थे; उन्हें तीन महीने पहले हंगरी के खिलाफ बाहर भेज दिया गया था. दो दशक से भी ज़्यादा लंबे इंटरनेशनल करियर के बावजूद, मेसी कभी इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेले हैं. यह उस मुकाबले से जुड़ी कई दिलचस्प बातों में से एक है, जिसकी कहानी में बुधवार को एक और अध्याय जुड़ेगा.

मेसी
- विश्व कप गोल : 7
- गोल्डन बूट रेस में बढ़त : हैरी केन से 2 गोल आगे
- इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच : 0
- हैरी केन के खिलाफ करियर मुकाबले :2

हैरी केन
- विश्व कप गोल : 5
- गोल्डन बूट की दौड़ में दूसरे स्थान पर

हालैंड और उनके साथियों का नॉर्वे में हुआ स्वागत

ओस्लो. फीफा विश्वकप 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन कर नॉर्वे लौटे अर्लिंग हालैंड और उनके साथियों का सोमवार को राजधानी ओस्लो में हजारों उत्साहित समर्थकों और अधिकारियों ने नायकों जैसा स्वागत किया. नॉर्वे ने अपने इतिहास में पहली बार पुरुषों के विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसने राउंड ऑफ 16 में पांच बार के विजेता ब्राजील को हराया, लेकिन इंग्लैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया . स्टार स्ट्राइकर हालैंड ने नॉर्वे के 28 साल में पहले विश्व कप अभियान में सात गोल करके अपनी वैश्विक प्रसिद्धि को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया. टीम के सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए फुटेज में खिलाड़ियों और कर्मचारियों को अपने विमान की खिड़कियों के पास इकट्ठा होकर नॉर्वे सैन्य जेट विमानों को देखते हुए दिखाया गया है, जो उन्हें वापस ओस्लो ले जा रहे थे, जहां एक शाही स्वागत समारोह उनका इंतजार कर रहा था. लैंडिंग के बाद जब हालैंड विमान से बाहर निकले तो लोगों में उत्साह का माहौल छा गया क्योंकि वह सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए एक खाली बोतल पकड़े हुए एक कृत्रिम रैकून को ले जा रहे थे. देश के शाही परिवार के प्रमुख सदस्य हजारों नॉर्वे समर्थकों के साथ अब प्रथागत 'वाइकिंग रो' में शामिल हुए, जो टूर्नामेंट के दौरान प्रसिद्ध हुआ था. क्राउन प्रिंस हाकॉन ने उसी तरह ढोल बजाकर इस समारोह की अगुवाई की. इस उत्सव में खुली छत वाली बसों की परेड भी शामिल थी, जिसमें खिलाड़ियों और समर्थकों ने एक-दूसरे को धन्यवाद दिया जो नॉर्वे फुटबॉल इतिहास में दर्ज हो जाएगा.

इंग्लैंड के डिफेंडर जेम्स अर्जेंटीना के खिलाफ़ सेमीफ़ाइनल के लिए पूरी तरह फ़िट

न्यूयॉर्क. इंग्लैंड के डिफेंडर रीस जेम्स का कहना है कि वह बुधवार को अर्जेंटीना के खिलाफ़ वर्ल्ड कप सेमीफ़ाइनल में खेलने के लिए पूरी तरह फ़िट और तैयार हैं। चेल्सी के इस राइट-बैक खिलाड़ी को घाना के खिलाफ़ इंग्लैंड के ग्रुप-स्टेज मैच में हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। इसके कारण वह पनामा, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो और मैक्सिको के खिलाफ़ जीत वाले मैचों में नहीं खेल पाए थे। हालांकि, नॉर्वे के खिलाफ़ रोमांचक क्वार्टरफ़ाइनल मैच (जिसमें इंग्लैंड 2-1 से जीता) में वह दूसरे हाफ़ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर लौटे। मैक्सिको के खिलाफ़ रेड कार्ड मिलने के कारण जैरेल क्वांसाह अभी भी सस्पेंडेड हैं, इसलिए उम्मीद है कि जेम्स अर्जेंटीना के खिलाफ़ शुरुआती लाइन-अप में शामिल होंगे। वह इंग्लैंड के डिफेंस को मज़बूती देने में मदद करेंगे, क्योंकि टूर्नामेंट के दौरान टीम का डिफेंस कई बार कमज़ोर पड़ा है और विपक्षी टीमों को गोल करने के कई मौके दिए हैं। 'लायंस डेन' पॉडकास्ट पर उन्होंने कहा, 'वापस मैदान पर लौटना अच्छा लग रहा है। इतनी जल्दी ठीक होने पर उन्हें राहत महसूस हो रही थी।'' अपनी तेजी से रिकवरी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट के दौरान चोट लगने पर हमेशा समय के साथ रेस होती है। मैंने पूरी लगन से रिकवरी पर ध्यान दिया।'

4 साल मेरे कॅरियर का सबसे यादगार हिस्सा रहे : ब्रेंडन

लंदन, 14 जुलाई इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा उनके पद छोड़ने के फैसले की घोषणा के बाद, 12 जुलाई को इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच के तौर पर ब्रेंडन मैकुलम का कार्यकाल खत्म हो गया.

मैकुलम ने चार साल तक टेस्ट टीम की कमान संभाली और उनका रिकॉर्ड 27 जीत, 20 हार और दो ड्रॉ का रहा. हालांकि, सबसे लंबे फॉर्मेट में निराशाजनक नतीजों के कारण - जिसमें एशेज में 4-1 की हार के बाद न्यूजीलैंड से 2-1 से सीरीज हारना भी शामिल है.

उनका टेस्ट कोच के तौर पर कार्यकाल खत्म हो गया. हालांकि, न्यूजीलैंड के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल हेड कोच के तौर पर काम करते रहेंगे. भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से ठीक पहले उन्होंने टेस्ट टीम के साथ बिताए अपने समय को खुशी के साथ याद किया. उन्होंने कहा, 'मैं उस समय को खुशी के साथ याद करता हूं और इसमें शामिल सभी लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं.

ऑलराउंडर 'बापू' के सामने अंग्रेज पस्त

एजबेस्टन में भारत की जीत, गिल-सुंदर भी चमके

बर्मिंघम , 14 जुलाई. भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में हुआ. जहां भारतीय टीम ने मुकाबले को 6 विकेट से अपने नाम किया. मुकाबले में टॉस इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए 258 का स्कोर बनाया. जवाब में भारतीय टीम ने 28 गेंद शेष रहते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया.

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने शानदार 80 रनों की पारी खेली, हालांकि वो रिटायर्ड हर्ट हो गए.

एक समय उनके रिटायर्ड हर्ट होने के बाद लग रहा था कि मैच इंग्लैंड के पाले में जा सकता है, लेकिन भारत की ओर से अक्षर पटेल (57 नाबाद) और वॉशिंगटन सुंदर (52 नाबाद) ने शानदार साझेदारी की और मैच जिताकर ही वापस लौटे. सुंदर ने छक्का जड़कर मैच फिनिश किया.

भारतीय टीम की ओर से अक्षर पटेल ने कमाल का ऑलरांउड प्रदर्शन किया, उन्होंने 57 रन की नाबाद पारी के अलावा 4 विकेट झटके. कुल मिलाकर 'बापू' के नाम से मशहूर अक्षर पटेल भारत के लिए इस मुकाबले में एक्सफैक्टर साबित हुए. पहले उन्होंने गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजी से अपना कमाल दिखाया. अक्षर को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया. इंग्लैंड की ओर इस मुकाबले में सबसे ज्यादा जो रूट ने नाबाद 76 रन बनाए.

भारत के बांग्लादेश दौरे पर उपजे नए संदेह

ढाका. क्या बंगलादेश-भारत सीरीज़ में कोई नई रुकावट आ गई है? दो हफ़्ते से भी कम समय पहले, ऐसे संकेत थे कि छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज़ होगी, और बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने, जैसा कि क्रिकबज़ ने 1 जुलाई को सबसे पहले बताया था, मीडिया राइट्स के लिए बोलियां मंगाने के लिए एक टेंडर नोटिफिकेशन भी जारी किया था. लेकिन 13 दिन बाद, ऐसा लगता है कि सीरीज़ को पीछे धकेल दिया गया है, और बीसीबी ने इस प्रोसेस को रोक दिया है. 1 जुलाई को, बीसीबी ने सीरीज़ के टेलीविज़न और डिजिटल मीडिया राइट्स बेचने के लिए रखे, यह कहते हुए कि बिडिंग प्रोसेस 22 जुलाई तक पूरा हो जाएगा.

कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस के शुभंकर 'मयूर' का अनावरण

नयी दिल्ली, 14 जुलाई दिल्ली में आयोजित होने वाली कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 के आधिकारिक शुभंकर 'मयूर' का मंगलवार को अनावरण किया गया.

दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह केवल शुभंकर के अनावरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिल्ली के खेल भविष्य की नई सोच और नई दिशा का प्रतीक है. उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में दिल्ली सरकार राजधानी को देश की 'स्पोर्ट्स कैपिटल' और भविष्य के वैश्विक खेल केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है.

चैंपियनशिप अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में सभी टीम टाइटल जीते

हरियाणा का घरेलू मैदान पर शानदार दबदबा

रोहतक, 14 जुलाई एमडीयू रोहतक में हुई 2026 अंडर -23 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में हरियाणा ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार दबदबा बनाते हुए पुरुषों की फ्रीस्टाइल, ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती - तीनों फॉर्मेट में ओवरऑल टीम चैंपियनशिप जीती.

तीन दिन तक चले इस बड़े घरेलू इवेंट में देश के बेहतरीन युवा पहलवानों के बीच कड़ी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा देखने को मिली. मेज़बान राज्य ने टूर्नामेंट की स्टैंडिंग में दबदबा बनाए रखा और पुरुषों की फ्रीस्टाइल कैटेगरी में 200 पॉइंट्स, ग्रीको-रोमन कैटेगरी में 195 पॉइंट्स और महिला कुश्ती में 183 पॉइंट्स के साथ टॉप पर रहा. सर्विसेज़ स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड ने कड़ी टक्कर दी और पुरुषों की फ्रीस्टाइल (138 पॉइंट्स) और ग्रीको-रोमन (165 पॉइंट्स) दोनों में रनर-अप रहा, जबकि महाराष्ट्र ने महिला टीम स्टैंडिंग में 160 पॉइंट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. युवा एथलीटों के प्रदर्शन की तारीफ़ करते हुए, रेसलिंग फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया के प्रेसिडेंट संजय कुमार सिंह ने कहा, 'यहाँ देखने को मिली प्रतिस्पर्धा का शानदार स्तर हमारे अंडर 23 खिलाड़ियों की बेहतरीन क्षमता को दिखाता है.

तीनों स्टाइल में हरियाणा की शानदार जीत उनके मज़बूत ट्रेनिंग सिस्टम को दर्शाती है, जबकि सर्विसेज़ और विभिन्न राज्य की टीमें लगातार नए बेंचमार्क सेट कर रही हैं. फ़ेडरेशन इन बेहतरीन खिलाड़ियों को सीनियर लेवल पर जाने के लिए टॉप-लेवल का इंटरनेशनल अनुभव दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.' पुरुषों की फ्रीस्टाइल कैटेगरी में, हरियाणा और एसएससीबी के एथलीटों ने पंजाब के मज़बूत प्रदर्शन के साथ मुख्य सम्मान साझा किए.

भारतीय टीम से अलग होना चाहते हैं रयान टेन

बर्मिंघम. रयान टेन डेशकाटे भारतीय टीम से अलग होने पर विचार कर रहे हैं. अगर उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और हेड कोच गौतम गंभीर से मंज़ूरी मिल जाती है, तो यह भारतीय टीम के साथ उनका आखिरी हफ़्ता हो सकता है. खास तौर पर, 19 जुलाई - इंग्लैंड के खिलाफ़ तीसरे वनडे का दिन - भारतीय ड्रेसिंग रूम में उनका आखिरी दिन हो सकता है. क्रिकबज़ को पता चला है कि उन्होंने पहले ही बीसीसीआई को अलग होने की अपनी इच्छा के बारे में बता दिया है और बोर्ड से उन्हें मुक्त करने का अनुरोध किया है. पता चला है कि उनके अलग होने के फैसले के पीछे कई कारण हैं.

सात्विक-चिराग ने मैच छोड़ा, सिंधु दूसरे राउंड में

टोक्यो, 14 जुलाई भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को वापसी के दौरान एक बार फिर चोट का सामना करना पड़ा. उन्हें मंगलवार को जापान ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने पहले राउंड के मैच के बीच से ही हटना पड़ा.

टोक्यो में खेल रहे सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (पुरुष डबल्स बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे स्थान पर) ने डेनमार्क के दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड के खिलाफ पहला गेम 21-19 से गंवा दिया और फिर मैच से हट गए. एशियाई खेलों के मौजूदा पुरुष डबल्स चैंपियन तब से पहली बार खेल में वापसी कर रहे थे, जब पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के शुरुआती राउंड के दौरान सात्विक के कंधे की चोट बढ़ गई थी.

मंगलवार को सात्विक उसी चोट से परेशान दिखे, जिसके कारण यह जोड़ी चार टूर्नामेंट से बाहर रही थी. यह चोट उन्हें मई में सिंगापुर ओपन जीतकर दो साल के बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल का सूखा खत्म करने के कुछ ही हफ्तों बाद लगी थी. महिला सिंगल्स बैडमिंटन इवेंट में, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई. दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर कंट्रोल बनाए रखा और रैलियों पर हावी होकर 7-4 की बढ़त बना ली.